।।अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाश : 01565-224600,224900

ई-मेल : jstsdgh01565@gmail.com

आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में

"नव वर्श के सूर्योदय पर होगा वृहद मंगल पाठ "

श्रीडूँगरगढ़ 31 दिसम्बर : वि-वविभूति आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में स्थानीय तेरापंथ भवन में नव वर्श के सूर्योदय के साथ वृहद मंगल पाठ का आयोजन किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए तेरापंथ मीडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि नये वर्श को मंगलमय बनाने के लिए दूर-दूर क्षेत्रों से लोग आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण के द्वारा श्रवण कराये जाने वाला वृहद मंगल पाठ को सुनने के लिए पहुंचने प्रारंभ हो गये हैं। बीकानेर संभाग के क्षेत्रों के सैकड़ों लोग प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होने वाले मंगल पाठ से पूर्व ही पहुंच जायेंगे। इस मंगल पाठ कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ने के मध्यनजर आचार्य महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति ने प्रत्येक श्रद्धालुओं से व्यवस्था को सुचारु बनाये रखने का आह्वान किया है।

आचार्य महाप्रज्ञ के ि-श्य मुनि जयंत कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्श आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में नये वर्श के सूर्योदय के प-चात् साधु-साध्वियों, समण-समणियों एवं श्रावक-श्राविकाओं को वि-ोश संदे-ा प्रदान किया जाता है। मंगल पाठ और मंगल संदे-ा से नई ऊर्जा एवं नई प्रेरणा प्राप्त कर नये वर्श को मंगलमय बनाने का संकल्प ग्रहण किया जाता है।

त्रिपाठी अणुव्रत लेखक पुरस्कार से सम्मानित

गुरुवार को यहां प्रज्ञा समवसरण में अणुव्रत अनु-ाास्ता तेरापंथ के आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आयोजित विराट समारोह में विख्यात लेखक डॉ. आनन्द प्रका-ा त्रिपाठी को अणुव्रत लेखक पुरस्कार 2008 प्रदत किया गया। अणुव्रत महासमिति द्वारा :ासनभक्त स्व. हुकमचंद सेठिया के पुत्रों ताराचंद, दीपचंद व ठाकरमल सेठिया के सौजन्य से प्रदत 10वें अणुव्रत लेखक पुरस्कार के अन्तर्गत डॉ. त्रिपाठी को रु. 51 हजार की रा-ि का चैक, अभिनन्दन पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि साहित्यकार अपने दायित्व का निर्वहन करें तो समाज के नैतिक व चारित्रिक उत्थान का मार्ग प्र-ास्त हो सकता हैं। आचार्य श्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि :ांत, सुखी व तनावमुक्त जीवन जीने की सर्वश्रेश्ठ औशधि व्रत है। जो व्यक्ति जीवन में व्रतों का पालन करता है वह बहुत सी मानसिक समस्याओं से स्वतः मुक्त हो जाता है। आचार्यप्रवर ने दे-ा में बढ़ रहे भ्रश्टाचार पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि हम व्रतों के प्रति अपनी निश्ठा को जगा लें तो भ्रश्टचार से मुक्ति मिलना आसान हो जाएगा।

क्रमशः 2

आचार्य श्री ने डॉ. त्रिपाठी के सृजन एवं सेवा कार्यो की प्र-ंसा करते हुए कहा कि वे एक उत्कृश्ट साहित्यकार एवं योग्य प्राध्यापक से बढ़कर विगत 2 द-ाकों से धर्मसंघ को समर्पित भाव से अपनी सेवाएं दे रहे है।

समारोह में युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि डॉ. आनन्द प्रका-ा त्रिपाठी को पुरस्कार मिलने पर अणुव्रत कार्यकर्ताओं के चेहरों पर झलक रही मुस्कान इस बात का प्रमाण है कि वे जितने अच्छे साहित्यकार हैं, उतने ही अच्छे एवं लोकप्रिय कार्यकर्ता भी है। अणुव्रत के मूल्यों एवं सिद्धान्तों का अनुपालन करते हुए वे साहित्यकार सृजन के क्षेत्र में उत्कृश्ट कार्य कर रहे हैं।

मुनि सुखलाल ने अणुव्रत लेखक पुरस्कार की पृश्ठभूमि पर प्रका-ा डालते हुए कहा कि अणुव्रत के प्रचार-प्रसार में लेखकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अपने लेखन से अणुव्रत को जन-जन तक पहुंचाने वाले डॉ. त्रिपाठी बहुआयामी प्रतिभा के धनी व्यक्ति हैं। कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की उनकी कला विलक्षण है। अणुव्रत महासमिति के पूर्व अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कर्नावट ने डॉ. त्रिपाठी का परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया कि डॉ. त्रिपाठी की धर्म-द-र्न, कहानी, कविता, बाल साहित्य आदि विद्याओं में 40 कृतियां प्रका-ित हो चुकी है।

समारोह में पुरस्कार प्रायोजक ठाकरमल सेठिया, डॉ. नरेन्द्र :ार्मा, ने अपने विचार व्यक्त किए। मुनि राके-ा कुमार के भावों को मुनि सुधाकर ने प्रस्तुत किया।

पुरस्कार स्वीकृति भाशण में डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि अणुव्रत के प्रति मेरी अटूट आस्था है। पुरस्कार मिलने के बाद मेरे दायित्व बढ़ गए हैं। मैं अपने दायित्वों के पालन की ईमानदार कोि-ा-ा करुँगा।

समारोह में अणुव्रत महासमिति के पूर्व अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कर्नावट, अणुव्रत लेखक मंच के संयोजक डॉ. नरेन्द्र :ार्मा कुसुम, ताराचंद सेठिया, ठाकरमल सेठिया ने डॉ. त्रिपाठी को पुरस्कार की रा-ि स्वरुप 51 हजार का चैक, अभिनन्दन पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट किए।

समारोह का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

बीकानेर जिला अणुव्रत सम्मेलन

राजस्थान अणुव्रत समिति के अध्यक्ष सम्पत :यामसुखा ने एक विज्ञप्ति में कहा है आचार्य श्री महाप्रज्ञजी की प्रेरणा से इस वर्श पूरे राजस्थान में अणुव्रत की गतिविधियों को सक्रिय किया जा रहा है। इस दृश्टि से कई जिलों की अणुव्रत समितियों का गठन हो चुका है। बीकानेर जिले में इस अभियान को सघन बनाने के लिए श्रीडूँगरगढ़ में 3 जनवरी को मध्यान्ह 2.30 बजे तेरापंथ भवन में बीकानेर जिले की अणुव्रत समितियों का एक वि-ेश आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में जिले की सभी समितियों को आमंत्रित किया गया है। जिला अणुव्रत समिति के चुनाव के साथ-साथ इस अवसर पर पर्यावरण-प्रदूशण, न-ा, जीवन विज्ञान आदि अन्य अनेक विशयों पर भी चर्चा की जायेगी ताकि जिले में योजनावृद्ध तरीके से अणुव्रत के संदे-ा को अंजाम दिया जा सके।

सादर प्रका-ानार्थः -

मीडिया संयोजक /सहसंयोजक